जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

प्रेषक :डॉ. शेखर सिंह बघेल
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 02
दिनांक 04.01.2023

वीआर से विद्यार्थी संबंधित विषय को गहराई एवं रोचक तरीके से समझ सकते हैं– कुलपति डॉ. पीके मिश्रा

जनेकृविवि में वर्चुअल रियलिटी किट का हुआ प्रदर्शन

जबलपुर 04 जनवरी 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा की सद्प्रेरणा और अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे के मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय में कृषि शिक्षा में नवीन तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा परियोजना नाहेप, आईसीएआर और विश्व बैंक ने ''रेसिलिएंट कृषि उच्च शिक्षा प्रणाली (आरएईएस)'' नामक एक नई पहल शुरू की है। इसके अंतर्गत डिजिटल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए, 6 वर्चुअल रियलिटी किट, कृषि उच्च शिक्षा से संबंधित 10 वीआर मॉड्यूल के साथ आई.सी.ए.आर –आई. ए. एस.आर.आई. नई दिल्ली, द्वारा प्रदान किए गए हैं।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. पी.के. मिश्रा ने कहा कि छात्र इस तकनीक के माध्यम से संबंधित विषय को गहराई एवं रोचक तरीके से समझ सकते हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि कृषि विषय सम्बधित अधिक से अधिक उच्च गुणवत्ता युक्त वीडियो प्राप्त करने और बनाने की दिशा में कार्य अति उपयोगी होगा। वर्चुअल क्लासरूम तथा एग्री दीक्षा की नोडल अधिकारी इंजी. (श्रीमती) भारती दास ने वीआर तकनीकों का संक्षिप्त विवरण हुये बताया कि वीआर तकनीक पढ़ने और लिखने के पारंपरिक तरीकों के विपरीत छात्रों को अनुभव के माध्यम से सीखने का अवसर प्रदान करता है। यह तकनीक छात्रों को कक्षा में उपस्थित रहते हुए ही खेतों का अवलोकन करा सकता है। यह तकनीक इंटरएक्टिव सामग्री (चित्र या वीडियो) के माध्यम से छात्रों को किसी भी दृश्य को 360 डिग्री में दिखाने में सक्षम है।

इन किटों का प्रदर्शन कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा, अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. धीरेन्द्र खरे, अधिष्ठाता कृषि अभियांत्रिकी संकाय डॉ. .अतुल कुमार श्रीवास्तव, निदेशक शिक्षण डॉ. अभिषेक शुक्ला, अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. अमित कुमार शर्मा, डिप्टी कंट्रोलर डॉ. अजय कुमार खरे ,निदेशक आई .ए .बी .एम. डॉ. मोनी थॉमस के समक्ष किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में वर्चुअल क्लासरूम तथा एग्री दीक्षा के मास्टर ट्रेनर डॉ. विवेक बढे, इंजी. मनीष पटेल, तकनीकी टीम के सदस्य इंजी. अभिषेक पांडेय, इंजी. अलोक राजपूत तथा वैभव कुमार जुगनाहके का सहयोग रहा।